शहर की सड़कों को बाईपास से जोड़ने पर विशेष जोर

सिंगरौली के समग्र विकास की तैयारियां तेज, कमिश्नर ने मांगी समयबद्ध कार्य योजना

नवभारत न्यूज

सिंगरौली,29 मई। तेजी से विकसित हो रहे औद्योगिक जिले सिंगरौली के सुनियोजित एवं समग्र विकास को लेकर प्रशासन अब गंभीरता के साथ व्यापक कार्य योजना तैयार करने में जुट गया है। जिले के भ्रमण पर आए रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सिंगरौली शहर और जिले के

दीर्घकालीन विकास को ध्यान में रखते हुए एक व्यापक, व्यवस्थित और समयबद्ध कार्य योजना तैयार कर शीघ्र प्रस्तुत की जाए।

बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद की अध्यक्षता तथा कलेक्टर गौरव बैनल की उपस्थिति में आयोजित हुई। बैठक के दौरान शहर की आधारभूत संरचना, सड़क नेटवर्क, पेयजल व्यवस्था, स्वच्छता, फूड पार्क, विद्यालय, चिकित्सालय, खेल मैदान, हाट-बाजार और अन्य आवश्यक नागरिक सुविधाओं के विस्तार को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। कमिश्नर ने कहा कि सिंगरौली जैसे तेजी से बढ़ते जिले के लिए योजनाबद्ध विकास अत्यंत आवश्यक है, ताकि भविष्य की आवश्यकताओं को समय रहते पूरा किया जा सके। वहीं कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले की प्रमुख सड़कों की कनेक्टिविटी उ.प्र. एवं छग. की सीमाओं से जुड़ने वाले बाईपास मार्गों तक विकसित की जाए, जिससे यातायात व्यवस्था सुगम हो और भारी वाहनों का दबाव शहर के भीतर कम किया जा सके। देवसर एवं चितरंगी क्षेत्र की सड़कों को भी मास्टर प्लान के अनुरूप विकसित करने के निर्देश दिए। बैठक में जिपं सीईओ जगदीश गोमे, एडीएम पीएस त्रिपाठी, सहायक कलेक्टर सौम्या मिश्रा, एसडीएम सुरेश जाधव, ननि डिप्टी कमिश्नर आरपी बैस, कार्यपालन यंत्री तेजस्विनी शुक्ला, एमपीआरडीसी महाप्रबंधक समीर गोहर, ननि कार्यपालन यंत्री संतोष पाण्डेय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

शहर का भ्रमण कर स्थलों का लिया जायजा

कमिश्नर बीएस जामोद एवं कलेक्टर गौरव बैनल द्वारा शहर के अधोसंरचना विकास में शामिल किए जाने के लिए शहर की प्रमुख सड़कों, बाईपास मार्गों तथा विगत दिवस जिले के प्रवास पर आए सीएम डॉ. मोहन यादव द्वारा जिले के विकास से संबंधित की गई घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में शहर का भ्रमण कर अधोसंरचना विकास में शामिल किए जाने वाले स्थलों का जायजा लिया गया। साथ ही मौके पर उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, ताकि समय-सीमा के भीतर कार्ययोजना तैयार कर विकास कार्यों को मूर्त रूप दिया जा सके। भ्रमण के दौरान मोरवा वार्ड क्रमांक 10 पहुंचकर एनसीएल जयंत कोल माइंस द्वारा किए जा रहे विस्थापन क्षेत्रों का अवलोकन किया गया।

देवसर, चितरंगी और माड़ा क्षेत्र की कनेक्टिविटी सुधारने पर बल

बैठक में कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग एवं एमपीआरडीसी को निर्देशित किया गया कि बैढ़न-सरई, देवसर एवं चितरंगी बाईपास सड़क निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ कार्य योजना में शामिल किया जाए। इसके साथ ही शहर के मध्य स्थित प्रमुख सड़कों को बाईपास मार्गों से जोड़ने की दिशा में प्रारंभिक कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रस्तुत प्रारंभिक योजना में परसौना से माड़ा तथा परसौना से निगाही तक सड़क निर्माण सहित देवसर, चितरंगी एवं माड़ा क्षेत्र की अन्य महत्वपूर्ण सड़कों को शामिल किए जाने की जानकारी दी गई। वहीं एमपीआरडीसी के महाप्रबंधक द्वारा विभागीय प्रस्तावित सड़कों एवं कनेक्टिविटी विस्तार की रूपरेखा प्रस्तुत की गई।

चितरंगी तहसील क्षेत्र में तूफान के साथ हुई बेमौसम बारिश

बैढ़न में भी डेढ़ घंटे तक रहा तेज तूफान का असर

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 29 मई। गुरूवार एवं शुक्रवार की मध्य रात चितरंगी तहसील क्षेत्र में तेज तूफान व चमक-गरज के साथ झमाझम बेमौसम बारिश ने चिलचिलाती धूप व गर्मी से राहत दी है। वहीं बैढ़न इलाके में शुक्रवार की अल सुबह करीब 4 बजे से लेकर डेढ़ घंटे तक तूफान का व्यापक असर रहा।

दरअसल गुरूवार एवं शुक्रवार की मध्य रात चितरंगी तहसील क्षेत्र में पहले दो घंटे तक तूफान चला, इसके बाद तेज चमक-गरज के साथ झमाझम बारिश ने गर्मी से राहत जरूर दी है, लेकिन उमस बढ़ा दिया है। वहीं बैढ़न क्षेत्र में डेढ़ घंटे तक तेज तूफान चलता रहा। इस दौरान जंगली इलाको में कई जगह पेड़ की डालियां टूट गई और बिजली के तार भी टूटे हैं। देवसर के इटार गांव में 11 हजार केव्ही का तार टूटने से 7 मवेशी काल के गाल में समा गये। हालांकि अन्य स्थानों से जनहानि की सूचना नही मिली है।

एक नजर में

गड़ेरिया में ट्रक व बल्कर में सीधी टक्कर

सिंगरौली। बैढ़न-बरगवां मुख्य सड़क मार्ग पर गड़ेरिया चढ़ाई के समीप देर रात एक ट्रक और बल्कर वाहन की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए, हालांकि चालक बाल-बाल बच गए और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। बताया जा रहा है कि घटना देर रात की है। दुर्घटना के बाद मुख्य मार्ग पर यातायात प्रभावित हो गया, जिससे आने-जाने वाले वाहनों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सड़क पर दोनों क्षतिग्रस्त वाहन खड़े होने से कुछ समय तक जाम जैसी स्थिति बनी रही। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग एवं पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात व्यवस्था को सुचारु कराने में जुट गई। फिलहाल दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

छमरछ पंचायत में हटाया गया अतिक्रमण विवादित

सरई। छमरछ पंचायत क्षेत्र में लंबे समय से विवाद का कारण बने दो स्थानों पर किए गए अतिक्रमण को गत दिवस प्रशासन ने हटवा दिया। शिकायत मिलने के बाद राजस्व विभाग और पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई कर अतिक्रमण को पूरी तरह हटाया। जानकारी के अनुसार छमरछ पंचायत के अंतर्गत दो अलग-अलग जगहों पर सरकारी या सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जा किया गया था। स्थानीय लोगों की शिकायत पर तहसील प्रशासन ने जांच कराई और अतिक्रमण की पुष्टि होने पर हटाने के निर्देश दिए। वहीं अतिक्रमण हटाने के लिए तहसीलदार अमित मिश्रा के नेतृत्व में टीम गठित की गई।

सड़क हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल

सिंगरौली। देवसर क्षेत्र में बीते 28 मई की रात 9 बजे एक और सड़क दुर्घटना सामने आई। जानकारी के अनुसार योगेश द्विवेदी जब झुरही तरफ से आ रहे थे, तभी उन्होंने सड़क पर एक बाइक सवार को घायल अवस्था में पड़ा देखा। घटना की सूचना डायल 112 को दी गई, जिसके बाद घायल युवक को सीएससी देवसर लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने ट्रामा सेंटर बैढ़न रिफर कर दिया।

कृत्रिम गर्भाधान के लक्ष्यों को शत प्रतिशत प्राप्त करें : गौरव

पशुपालन एवं डेयरी विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 29 मई। कलेक्टर गौरव बैनल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में पशुपालन एवं डेयरी विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

बैठक में कलेक्टर ने विभागीय योजनाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों को योजना का शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के लिए निर्देशित किया है। कलेक्टर ने योजना के क्रियान्वयन की प्रगति कम होने पर नाराजगी जाहिर करते हुए निर्देशित किया कि हिरण्यगर्भा अभियान अंतर्गत नस्ल सुधार के लिए कृत्रिम गर्भाधान के लक्ष्यों को शत-प्रतिशत प्राप्त करें। अभियान के तहत निर्धारित किए गए वार्षिक लक्ष्यों का मासिक लक्ष्यों में निर्धारण कर पशु चिकित्सा एवं अधीनस्थ अमलों को लक्ष्य की पूर्ति किए जाने के लिए निर्देशित करें। साथ ही पशुओं में यूआईडी टैग लगाकर, पशु पंजीकरण, कृत्रिम गर्भाधान, गर्भ परीक्षण एवं वत्सोत्पादन की प्रविष्टि भारत पशुधन ऐप पर अनिवार्य रूप से की जाए। इसके लिए डीडीवीएस अपने अधीनस्थ एआई प्रशिक्षित मैत्री एवं गौ सेवकों की एक सप्ताह के भीतर प्रशिक्षण आयोजित कर ऐप संचालन का प्रशिक्षण दें। उन्होंने निर्देश दिए कि निजी कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ता एवं मैत्री को प्रति कृत्रिम गर्भाधान एवं वत्सोत्पादन पश्चात टैग किए जाने पर दिया जाने वाला मानदेय निर्धारित समय पर भुगतान किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि कार्य में लापरवाही बरतने वाले विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

डिग्री कॉलेज बैढ़न में उच्च शिक्षा विभाग के आदेशों की उड़ती रही धज्जियां

पूर्व प्राचार्य की कार्यप्रणाली पर उठने लगी उंगलियां, अतिथि विद्वान फॉलआउट होने के बाद बदली गई व्यवस्था

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 29 मई। उच्च शिक्षा विभाग के आदेशों के बावजूद शासकीय महाविद्यालयों में पदस्थापना और दायित्व वितरण को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं।

दरअसल मामला समाजशास्त्र विषय की प्राध्यापक सीमा सोनी से जुड़ा है, जिनका स्थानांतरण म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग के आदेश क्रमांक एफ1/1/4/0018/2025 एसईसी-1-38 (एचईडी) भोपाल दिनांक 9 जून 2025 के तहत शासकीय आदर्श महाविद्यालय शाहपुरा जिला डिंडोरी से शासकीय कन्या महाविद्यालय सिंगरौली में किया गया था। सीमा सोनी के पदस्थ होने के बाद समाजशास्त्र विषय में कार्यरत अतिथि विद्वान अमित शाह फॉलआउट हो गए, जिनकी बाद में नियुक्ति शासकीय महाविद्यालय माड़ा में की गई। इसके बाद भी व्यवस्था को लेकर विवाद थमता नजर नहीं आया। आरोप है कि तत्कालीन प्राचार्य डॉ. एमयू सिद्धिकी ने 9 जून 2025 से लेकर 5 मार्च 2026 तक बिना किसी वैधानिक आदेश के सीमा सोनी को शासकीय अग्रणी महाविद्यालय बैढ़न में कई महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे रखे। इस पूरे मामले ने महाविद्यालयीन प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। चर्चाएं इस बात को लेकर भी तेज हैं कि आखिर बिना विधिवत आदेश के इतने लंबे समय तक जिम्मेदारियां कैसे संचालित होती रहीं। इसके बाद कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा सतपुड़ा भवन भोपाल द्वारा जारी आदेश क्रमांक एचईडी/00/49/2026-जीजेड-ईएसटीबी-बीएचई भोपाल दिनांक 6 मार्च 2026 के तहत सीमा सोनी को दो माह के लिए शासकीय महाविद्यालय बैढ़न में डिप्लॉय किया गया था।

सूत्रों के अनुसार उक्त अवधि अब स्वतः समाप्त हो चुकी है, लेकिन वर्तमान स्थिति को लेकर अब भी स्पष्टता नहीं है। महाविद्यालयीन गलियारों में इस पूरे घटनाक्रम को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। शिक्षा जगत से जुड़े लोगों का कहना है कि उच्च शिक्षा विभाग के आदेशों का पारदर्शी पालन होना चाहिए, ताकि प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर उठ रहे सवालों का जवाब मिल सके।

इनका कहना :-

महाविद्यालय की परीक्षाएं चल रही हैं,उन्हें नोडल बनाया गया था। जल्द ही यहां से सीमा सोनी को सिंगरौली कन्या महाविद्यालय के भारमुक्त कर दिया जाएगा।

आरके झा
प्राचार्य, पीएम एक्सीलेंस कॉलेज बैढ़न

बिना वैध पास के गिट्टी लोड कर परिवहन करने जा रहे डंपर जब्त

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 29 मई। जिले में अवैध खनिज परिवहन के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में खनिज अधिकारी आकांक्षा पटेल के मार्गदर्शन में आज खनिज विभाग द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई।

जानकारी के अनुसार अशोक मिश्रा द्वारा जांच के दौरान डंपर वाहन क्रमांक एमपी 66 जेडडी 0758 को बिना वैध अभिवहन पास के गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा गया। जांच में वाहन चालक वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका,

जिसके बाद विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए डंपर को जब्त कर लिया। जप्त वाहन को सुरक्षा की दृष्टि से म.प्र. पुलिस के चितरंगी थाना परिसर में खड़ा कराया गया है। खनिज विभाग द्वारा वाहन के खिलाफ खनिज नियमों के तहत अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

अवैध गिट्टी परिवहन पर खनिज विभाग की कार्रवाई

चितरंगी पुलिस थाने में खड़ा कराया गया वाहन

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनिज उत्खनन और परिवहन करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। विभागीय अधिकारियों ने नियमों का पालन करने की अपील करते हुए चेतावनी दी है कि अवैध परिवहन पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

मंगल भवन में दस्तावेजी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

नवभारत न्यूज

देवसर 29 मई। म.प्र. जल निगम पीआईयू सिंगरौली के निर्देशानुसार विकासखंड देवसर के मंगल भवन में ग्राम जल एवं स्वच्छता तदर्थ समितियों के लिए एक दिवसीय लेखा संधारण रिकॉर्ड कीपिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन म.प्र. जल निगम की गोंड-देवसर समूह जलप्रदाय योजना के तहत आईएसए इंपैक्ट एशिया देवसर के तत्वाधान में संपन्न हुआ। इस दौरान आईएसए परियोजना प्रबंधक रवि जैमन ने प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से अवगत कराया।

आदित्य बिड़ला समूह ने पांच प्रमुख मूल्यों को निर्धारित किया है : यशवंत

हिंडाल्को रेणुकूट में स्थानीय पत्रकारों के साथ मनाया गया वैल्यूज मंथ

नवभारत न्यूज

रेणुकूट 29 मई। आदित्य बिड़ला समूह के मूल्यों को जन-जन तक पहुचाने के उद्देश्य से हिण्डाल्को, रेनुकूट परिसर के मनोरंजनालय प्रांगण में स्थानीय पत्रकारों के साथ वैल्यूज मंथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्थान के एचआर हेड अजय सिन्हा ने अपने संबोधन में समूह के पांचों मूल्यों ईमानदारी, प्रतिबद्धता, जुनून, एकरूपता एवं गति की विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि ये मूल्य केवल संगठन तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में

समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। हम सभी अपने दैनिक जीवन में इन्हीं मूल्यों का अनुसरण करते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। प्रशासनिक एवं जनसम्पर्क प्रमुख यशवंत कुमार ने आमंत्रित समस्त मीडियाकर्मियों का स्वागत किया। उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि वर्ष 2004 में आदित्य बिड़ला समूह द्वारा पांच प्रमुख मूल्यों को निर्धारित किया गया, जिनका अनुपालन प्रत्येक कर्मचारी द्वारा अपने सभी कार्यों एवं व्यवहार में किया जाना अपेक्षित है। समूह का उद्देश्य है कि ये मूल्य संगठन के साथ-साथ समाज में भी व्यापक रूप से स्थापित हों। इस अवसर पर एचआर विभाग के प्रशांत कुशवाहा ने आदित्य बिड़ला समूह के ग्रुप उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि समूह का लक्ष्य व्यवसाय के साथ-साथ समाज के समग्र विकास में योगदान देना है।

हिण्डाल्को ने 16 स्थानों पर की गई प्याऊ की व्यवस्था

नवभारत न्यूज

रेणुकूट 29 मई। हिण्डाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड, रेणुकूट हमेशा अपने लोकहित के कार्यों के माध्यम से समुदाय कल्याण एवं सतत् विकास की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता रहा है।

इसी क्रम में हिण्डाल्को द्वारा अपने सीएसआर कार्यक्रम अंतर्गत कुल 16 स्थानों में प्याऊ की व्यवस्था की गई है। जिसमें रेनुकूट में 6 तथा दुद्धी, म्योरपुर एवं बभनी ब्लॉक के ग्रामीण इलाकों में 10 मुख्य स्थान शामिल हैं। इन मुख्य जगहों पर प्याऊ की व्यवस्था हो जाने से मार्ग में आने-जाने वाले राहगीरों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है।

तीन दिवसीय कैंपस टू कॉर्पोरेट कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

नवभारत न्यूज

विंध्यनगर 29 मई। आरएलआई विंध्याचल बीते दिन गुरूवार को एनटीपीसी विंध्याचल एवं एनटीपीसी सिंगरौली के कार्यकारी प्रशिक्ष 2025 बैच के लिए तीन दिवसीय कैंपस टू कॉर्पोरेट कार्यशाला का शुभारंभ किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा पेशेवरों को शैक्षणिक जीवन से कॉर्पोरेट जगत में सहज रूप से प्रवेश करने के लिए तैयार करना है। कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागियों के व्यावसायिक, पारस्परिक, संचार, टीमवर्क एवं नेतृत्व कौशल को सुदृढ़ किया जाएगा। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन डॉ. देबस्मिता त्रिपाठी, अपर महाप्रबंधक द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि एनटीपीसी केवल एक संगठन नहीं, बल्कि एक ऐसा परिवार है जो सीखने, विकास, नवाचार एवं नेतृत्व को निरंतर प्रोत्साहित करता है। अपने प्रेरणादायी संबोधन में उन्होंने बताया कि एनटीपीसी तापीय ऊर्जा के साथ-साथ परमाणु ऊर्जा सहित विभिन्न क्षेत्रों में भी निरंतर विस्तार कर रहा है।

करंट की चपेट में आने से 7 गौवंशों की मौत, ग्रामीणों में आक्रोश

देवसर के इटार गांव में 11 हजार केवी लाइन का तार टूटकर गिरा, बिजली विभाग पर लापरवाही के आरोप

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 29 मई। जिले के देवसर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम इटार में आज शुक्रवार को बिजली विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई। मेन रोड के पास ट्रांसफार्मर के समीप 11 हजार केवी विद्युत लाइन का तार अचानक टूटकर नीचे गिर गया।

करंट की चपेट में आने से सात गौवंशों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे गांव में हड़कंप मच गया। वहीं एसडीएम देवसर द्वारा उक्त मामले में जांच के आदेश दे दिया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने बिजली विभाग के खिलाफ जमकर नाराजगी जताई। लोगों का कहना है कि लंबे समय से विद्युत तार जर्जर स्थिति में थे, जिसकी शिकायत भी कई बार की गई थी, लेकिन विभाग द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार गौवंश सड़क किनारे मौजूद थे, तभी अचानक हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर गिर पड़ा। करंट फैलते ही

सातों गौवंश उसकी चपेट में आ गए और तड़प-तड़प कर उनकी मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखा गया।

स्थानीय लोगों ने दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने, विद्युत लाइन की नियमित जांच कराने तथा प्रभावित पशुपालकों को उचित मुआवजा देने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते लाइन की मरम्मत कर दी जाती तो इतना बड़ा हादसा नहीं होता। वहीं सूचना मिलने के बाद बिजली विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और विद्युत आपूर्ति बंद कर स्थिति को नियंत्रित किया। इधर उक्त मामले को देख एसडीएम देवसर ने जांच के आदेश दे दिया है।